Elections to Delhi Municipal Corporation

+

*1654. SHRI SHARDA NAND :
SHRI KANWAR LAL GUPTA :
SHRI SURAJ BHAN :

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) when the term of the present Municipal Corporation of Delhi will expire ;

(b) whether there is any proposal to give further extension to its life ;

(c) if not, when the election to the Municipal Corporation will be held ;

(d) whether there is any proposal to change the delimitation of the constituencies ; and

(e) if so, the details thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA) : (a) Present term of councillors and aldermen of Municipal Corporation of Delhi will expire on 21st March, 1971, and 3rd April, 1971, respectively.

(b) There is no such proposal under consideration.

(c) The election of councillors will be due by 21st March, 1971 and that of aldermen by 3rd April, 1971.

(d) There is no such proposal under consideration.

(e) Does no aries.

श्री शारदा नन्द : कांग्रेस सरकारों का यह रवैया रहा है कि जब वातावरण उन के अनुकूल होता है तब वह चुनाव कराते हैं तो मेरा सीधा प्रश्न यह है कि पीछे कितनी इन्होंने इस चुनाव को टाला और क्या मंत्री महोदय इस सदन को यह आश्वासन देंगे कि यह चुनाव समय पर ही हो जायगा ?

श्री विद्याचरण शुक्ल : जो प्रश्न के शुरू में इन्होंने आरोप लगाया वह बिलकुल गलत है । ऐसी कोई बात नहीं है और हम ऐसा कभी नहीं करते हैं ।.....(व्यवधान).....यह माननीय सदस्य की राय हो सकती है पर यह सही नहीं है ।

जहां तक इस चुनाव का संबंध है इस को तो स्थगित करने का कोई प्रश्न नहीं है । पिछले चुनावों के बारे में मुझे सूचना नहीं है । वह मैं एकत्रिक कर के सभा पटल पर रख दूंगा ।

श्री शारदा नन्द : दूसरा भाग मैंने पूछा था कि इस को निश्चित समय पर आप कराएंगे ?

श्री विद्याचरण शुक्ल : जैसा मूल प्रश्न के उत्तर में कहा गया है हम चुनाव कराना चाहते हैं । इस को स्थगित कराने का कोई प्रश्न हमारे विचाराधीन नहीं है । और इस का मतलब यही होता है कि हम निश्चित समय पर ही करायेंगे ।

दूसरा सवाल मेरा यह है कि मतदाता सूची जो है. इस में जो संशोधन होने हैं वह आप कब से प्रारम्भ करेंगे ?

श्री विद्याचरण शुक्ल : यह जो काम है यह तो दिल्ली प्रशासन को करना होता है चुनाव आयोग के साथ मिल कर । इस से गृह मंत्रालय का कोई संबंध नहीं है । पर मैं समझता हूँ कि इस का क्रियाकर्म.....
...(व्यवधान)..... दिल्ली प्रशासन का क्रियाक्रम करने का मेरा कोई मतलब नहीं है । कार्यक्रम जो इस चुनाव का है उस के बारे में चुनाव आयोग और दिल्ली प्रशासन दोनों को मिल

कर निर्धारित करना है कि कब उसे करना है।

श्री सूरज भान : पिछली दो बार इस चुनाव को एक एक साल बढ़ा कर जनरल एलेक्शन के साथ यह चुनाव कराया गया था। क्या इस का कारण यह था कि उस वक्त यहां कांग्रेस हुकूमत थी और अब ऐसा इसलिए नहीं किया जा रहा है कि वहां जनसंघ की हुकूमत है ? मैं यह जानना चाहता हूं कि जनरल एलेक्शन में साथ मिलाने के लिए इस को इस बार भी बढ़ायेंगे जैसा कि पहले किया गया था ?

श्री विद्या चरण शुक्ल : मैंने बताया कि इस तरह का कोई विचार हमारे मन में नहीं है न राजनैतिक आधार पर हम ऐसा कोई काम करते हैं। इस के बारे में यदि दिल्ली प्रशासन से हमारे पास कुछ आएगा तो हम उस पर विचार करेंगे।

Improvement and Modernisation of Facilities at Major Ports

+

*1655. SHRI S.K. TAPURIAH :
SHRI MANIBHAI J. PATEL :
SHRI LAKHAN LAL KAPOOR :
SHRI VALMIKI CHOUDHARY :

Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state :

(a) whether a survey of oversea transport and freight structure in India's export trade conducted by some Indian research agency sponsored by USAID Mission to India has revealed the urgent and effective measures are called for to improve and modernise facilities at Major Ports in the country; and

(b) the reaction of Government in regard thereto?

THE DEPUTY MINISTER IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND IN THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI IQBAL SINGH): (a) and (b). It is presumed that the refrence is to the study of Overseas Transport aud freight structure in India's export trade, which was carried out by the Operations Research Group, Baroda. One of the recommendations made by the study Group is that energetic programmes should be carried out in an effort to improve the efficiency of cargo handling at India's Ports. Government are already aware of the need for improving the efficiency of cargo handling at India's ports and this is one of the important items for which provision is made in the Fourth Five Year Plan.

SHRI S. K. TAPURIAH : It is a fact that fright rates in regard to any cargo originating from India to any other port are considerably higher than those on the cargo originating from other country to an equadistant point anywhere else ? If so does it not push up the prices of our export product? In view of this, what are the positive recommendations made in this report and how are Government going to tackle this problem on an urgent basis by mechanical handling improvement to that our freight rates are brought down ?

SHRI IQBAL SINGH : As for freight rates on cargo from India, it differs from item to item and port to port. I do not accept the thesis that our rates are the highest in the world.

SHRI S. K. TAPURIAH : I never said highest in the world.

SHRI IQBAL SINGH : Higher, Secondly, regarding the study, we have taken note of the study. This study group was appointed by the then Commerce Ministry now Ministry of Foreign trade. They have sent us the report. We have taken note of them while framing the Fourth Plan. But I can say that the projections given in the study group's report are not strictly accurate. For instance, they presumed that in 1968-69, the total trade was 65 million tonnes from India. Actually the total was 55 million tonnes.